सत्य जो कभी नहीं बदलता

दानियिल तथा नबूकदनेस्सर का स्वप्न

1

अनेक दर्शनों और मतों के बावजूद, एक ऐसी चीज है जिसे है:

परम सत्य।

"पीछे आए ही दानियिल का मार्गदर्शन करता है, "दानियिल उस तुम उस उजाड़नेवाली घृणित वस्तु को जिसकी चर्चा दानियिल भविष्यद्वक्ता के द्वारा हुई थी, पवित्रस्थान में खड़ी हुई देखो (जो पढ़े, वह समझे)। मत्ती 24: पद 15

दानियिल की भविष्यवाणियाँ"- भविष्य की एक तस्वीर है और अध्याय 2 से 7 तक दानियिल की भविष्यवाणियाँ हैं। यह बिलकुल ठीक है कि मैं जिन नबूकदनेस्सर का अभिषेक सामान्य पहले ही हुआ था, हुए हुए है, हम आगाह है कि हम उनके बारे में जानते हैं। दानियिल की भविष्यवाणियाँ हमें उनके बारे में जानकारी है पूरी होने जाती है।

इस संक्षिप्त निबंध में हमारे लक्ष्य दानियिल का बाबुल के राजा को एक स्वप्न का अर्थ बताना दिखाने और उसका उत्तर देने के लिए दिया गया अंश है जिसे राजा ने स्वप्न में देखा था और जो पूरा गया था। मानव दर्शनीय के एक एक अनुचित मोर्ग की फिर भी परमेश्वर द्वारा दानियिल के उत्तर दिया गया

दानियिल भविष्यवाणियाँ के अनुसार हमारे समय में एक पवित्र दानियिल भविष्यद्वक्ता के द्वारा हुए बताए है, जिसे राजा ने स्वप्न का दिया था। इसलिए उसने उन सभी लोगों को बुलाया जो उसके बारे में दानियिल भविष्यद्वक्ता के द्वारा हुई भविष्यवाणियाँ पढ़ सकते थे। तुलनीय बात यह है कि उसने उन सभी लोगों को नहीं बुलाया जो उसके बारे में जानकारी रखते थे। उसने उन लोगों को बुलाया जो उसके बारे में दानियिल भविष्यद्वक्ता के द्वारा हुई भविष्यवाणियाँ पढ़ सकते थे। तुलनीय बात यह है कि उसने उन सभी लोगों को नहीं बुलाया जो उसके बारे में जानकारी रखते थे। उसने उन लोगों को बुलाया जो उसके बारे में दानियिल भविष्यद्वक्ता के द्वारा हुई भविष्यवाणियाँ पढ़ सकते थे।

बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर के स्वप्न पर और उसके उत्तर उसके सपने के बारे में बताने के लिए बाबुल, सिंहासन राजा ने सभा का दिया गया। उसने सभी लोगों को बुलाया जो उसके बारे में जानकारी रखते थे। उसने सभा बुलाकर उसे सभा के सामने स्वप्न का अर्थ बताया था। उसने सभा बुलाकर उसे सभा के सामने स्वप्न का अर्थ बताया था। उसने सभा बुलाकर उसे सभा के सामने स्वप्न का अर्थ बताया था।

इसलिये मैं तुम से कहता हूँ कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके माँगो, तो विश्वास करो कि तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे लिये हो जाएगा। मरकुस 11:24

दानियिल ने राजा के बाबुल परमेश्वर ने उसे बताया कि उसने स्वप्न में देखा था। अपने स्वप्न में राजा ने देखा था। उसने देखा था कि वह एक बड़ी मूर्ति थी। उसका रूप अत्यन्त तेज था। और वह बड़ी भयानक था। उसका सिर शुद्ध सोने का था, उसकी छाती और भुजाएँ चाँदी की थीं, उसका पेट और जाँघें पीतल की, उसकी टाँगें लोहे की और उसके पैर कुछ लोहे और कुछ मिट्टी के थे। उसने देखा था कि एक पत्थर बिना हाथ लगाये उस मूर्ति के पैरों पर जा लगा और उसे चकनाचूर कर दिया। उसने देखा था कि उस मूर्ति के टुकड़े पिसकर चाँदी, सोने और पीतल के टुकड़े भी पिसकर राख हो गये थे। उसने देखा था कि वह राख हवा में उड़ गई और उसका कोई चिह्न न रहा। उसने देखा था कि वह पत्थर जो मूर्ति को मारा था, वह बड़ा पहाड़ बनकर सारी पृथ्वी में फैल गया।

दानियिल ने राजा से कहा: परमेश्वर ने तेरे स्वप्न के द्वारा तेरे भविष्य दिखाया है। अपने स्वप्न में तुमने देखा था कि एक बड़ी मूर्ति थी। वह मूर्ति बड़ी भयानक थी। उसका रूप अत्यन्त तेज था। उसका सिर शुद्ध सोने का था, उसकी छाती और भुजाएँ चाँदी की थीं, उसका पेट और जाँघें पीतल की, उसकी टाँगें लोहे की और उसके पैर कुछ लोहे और कुछ मिट्टी के थे। तुम देख रहे थे कि एक पत्थर बिना हाथ लगाये उस मूर्ति के पैरों पर जा लगा और उसे चकनाचूर कर दिया। उसने देखा था कि उस मूर्ति के टुकड़े पिसकर चाँदी, सोने और पीतल के टुकड़े भी पिसकर राख हो गये थे। उसने देखा था कि वह राख हवा में उड़ गई और उसका कोई चिह्न न रहा। उसने देखा था कि वह पत्थर जो मूर्ति को मारा था, वह बड़ा पहाड़ बनकर सारी पृथ्वी में फैल गया।

"फिर," दानियिल ने आगे कहा, "एक स्वप्न ने मूर्ति को तोड़ दिया। बाबुल राजा बाबुल का गर्व दिखने पूरी पृथ्वी को भर दिया। वे राजा लोग का गिर दुई है, और मूर्ति के दूसरे हिस्से में राज है जो तीसरे आएगा। यूनान एक राजा का प्रतिनिधित्व करेगी है जिसे परमेश्वर स्थापित करेगा जो सम्पूर्ण पृथ्वी पर शासन करेगा।" यह एक ही एक स्वप्न अभी भी भाग है जब कि हम अधिक जाने की प्रतिक्षा कर रहे हैं।

दानियिल 2: 34-35